Aayushi International Interdisciplinary Research Journal (AIIRJ)

VOL- X	ISSUE- X	OCTOBER	2023	PEER REVIEW e-JOURNAL	IMPACT FACTOR 7.367	ISSN 2349-638x

आजमगढ़ जनपद के आर्थिक विकास पर व्यावसायिक कृषि के प्रभाव का अध्ययन

सर्वज्ञ कुमार सिंह,
शोधार्थी एवं
डा. बी. आर. पन्त,
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,
भूगोल विभाग, एम. बी. जी. पी. जी. कालेज, हल्द्वानी, नैनीताल

शोध सार –

व्यावसायिक कृषि के अंतर्गत न सिर्फ विविध प्रकार की फसलों का उत्पादन सम्मिलित है, अपितु अन्य अनुषंगी क्रियाओं जैसे दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन आदि विविध प्रकार की क्रियाएं भी आती हैं। सामाजिक–आर्थिक विकास का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले गरीब कृषक परिवारों एवं जनसामान्य की मौलिक आवश्यकताओं साथ ही अन्य सामाजिक दक्षतावर्धक आवश्यकताओं की पूर्ति एवं बेहतर एवं उत्प्रेरक प्राकृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक वातावरण सुलभ कराना है। परंपरागत फसलोत्पादन की तुलना में व्यावसायिक कृषि से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की प्राप्ति, आय की प्राप्ति, आय की निरंतरता बनी रहती है।

मुख्य शब्द – *रोजगार, आय, सब्जी उत्पादन, दुग्ध उत्पादन, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन।*

आर्थिक विकास की वर्तमान विसंगतियों के परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण संविकास अपरिहार्य है और ग्रामीण विकास के लिए अनिवार्य कृषिगत उत्पादकता में अभिवृद्धि, कृषि की विविधता और व्यावसायीकरण द्वारा ही संभव है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषकों द्वारा कृषि तथा अनुषंगी कार्यों में लागत एवं लाभ का लेखा–जोखा नहीं रखा जाता है। यह संभव भी नहीं है कि भूमि, श्रम, जुताई, बुवाई, सिंचाई, कटाई, मड़ाई, परिवहन एवं विपणन आदि लागत की सही गणना की जा सके क्योंकि आवश्यकता पड़ने पर खेत में कभी मजदूर भी लगा दिए जाते हैं, परिवार के सदस्य भी काम करते हैं तथा परिवार की स्त्रियां और बच्चे भी अन्य कार्य करते हुए समय–समय पर कृषि में आंशिक योगदान करते रहते हैं। यह सब इतना अंतर मिश्रित और जटिल है कि शोधार्थी के लिए इसका सही–सही आकलन करना अत्यंत कठिन है। कृषि लागतों के साथ ही कृषि उत्पादन भी भिन्न–भिन्न मात्रा में होता है और उनका विक्रय भी भिन्न भिन्न प्रकार और समय पर होता है तथा उनकी कीमतों में भी आए दिन उतार–चढ़ाव होता रहता है फलस्वरुप आय

Aayushi International Interdisciplinary Research Journal
ISSN 2349-638X

संबंधी अध्ययन में यह एक जटिल समस्या रही है। प्रस्तुत अध्याय में आर्थिक विकास पर व्यावसायिक कृषि के प्रभाव से संबंधित जो भी सूचनाएं, आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं, वह शोधार्थी द्वारा द्वारा आंकलित औसत आँकड़े (जो सत्यता के अधिक निकट है) है।

मानचित्र १.१

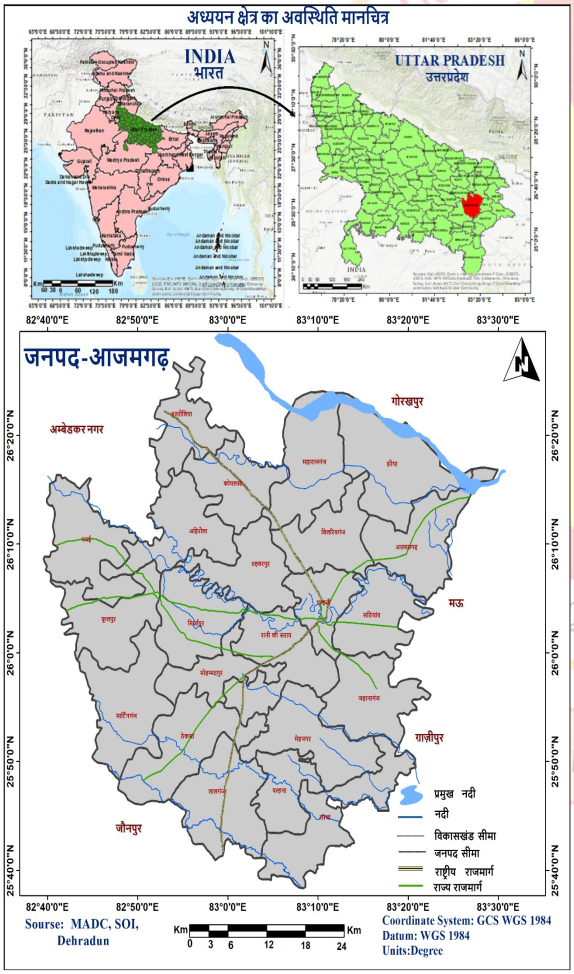
अध्ययन क्षेत्र का अवस्थिति मानचित्र
INDIA
भारत
UTTAR PRADESH
उत्तरप्रदेश
जनपद-आजमगढ़
अम्बेडकर नगर
गोरखपुर
मऊ
ग़ाज़ीपुर
जौनपुर
अतरौलिया
महाराजगंज
हरैया
कोयलसा
अहिरौला
बिलरियगंज
अज़मतगढ़
पवई
तहबरपुर
पल्हनी
सठियांव
फूलपुर
मिर्ज़ापुर
रानी की सराय
मोहम्मदपुर
जहानागंज
मार्टिनगंज
ठेकमा
मेहनगर
लालगंज
पल्हना
तरवां
प्रमुख नदी
नदी
विकासखंड सीमा
जनपद सीमा
राष्ट्रीय राजमार्ग
राज्य राजमार्ग
82°40'0"E
82°50'0"E
83°0'0"E
83°10'0"E
83°20'0"E
83°30'0"E
26°20'0"N
26°10'0"N
26°0'0"N
25°50'0"N
25°40'0"N
Km 0 3 6 12 18 24 Km

Sourse: MADC, SOI, Dehradun

Coordinate System: GCS WGS 1984
Datum: WGS 1984
Units:Degree

अध्ययन क्षेत्र – आजमगढ़ जनपद भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में तमसा नदी के तट पर स्थित एक नगर है तथा राज्य की राजधानी लखनऊ से 268 कि.मी. पूर्व में स्थित है। इसका निर्माण वर्ष 1665 में राजा विक्रमाजीत के पुत्र आजम खां नें करवाया था। आजमगढ़ जनपद पूर्वी उत्तर प्रदेश के केंद्र बिंदु के रूप में गंगा–घाघरा दोआब में 25^0 38′ उत्तरी अक्षांश से 26^0 27′ उत्तरी अक्षांश एवं 82^0 42′ पूर्वी देशांतर से 83^0 43′ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। आजमगढ़ जनपद की समुद्र तल से औसत ऊंचाई 79.9 मीटर है। आजमगढ़ जनपद के पूर्वी सीमा पर मऊ जनपद, दक्षिणी–पूर्वी सीमा पर गाजीपुर जनपद, दक्षिणी–पश्चिमी सीमा पर जौनपुर जनपद, पश्चिमी सीमा पर सुल्तानपुर जनपद, उत्तरी–पश्चिमी सीमा पर अंबेडकर नगर जनपद, उत्तरी–पूर्वी सीमा पर घाघरा नदी व नदी के दूसरी तरफ से गोरखपुर जनपद इसकी सीमा निर्धारित करते हैं (जिला जनगणना हस्तपुस्तिका, 2011)।

प्रशासनिक दृष्टिकोण से इस जनपद को आठ तहसीलों (बूढ़नपुर, सगड़ी, फूलपुर, निजामाबाद, लालगंज, आजमगढ़, मेहनगर व मार्टिनगंज), 22 विकासखंडों (अतरौलिया, कोयलसा, अहिरौला, महाराजगंज, हरैया, बिलरियगंज, अजमतगढ़, तहबरपुर, मिर्जापुर, मोहम्मदपुर, रानी की सराय, पल्हनी, सठियांव, जहानागंज, पवई, फूलपुर, मार्टिनगंज, ठेकमा, लालगंज, पल्हना, मेहनगर व तरवां) में विभक्त किया गया है।

आजमगढ़ जनपद का कुल क्षेत्रफल 4054 वर्ग किलोमीटर है जो उत्तर प्रदेश के क्षेत्रफल का 1.6 प्रतिशत है तथा कुल जनसंख्या 4613913 है जो उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या का 2.3 प्रतिशत है। आजमगढ़ जनपद की औसत साक्षरता दर 70.92 प्रतिशत है जो की उत्तर प्रदेश की औसत साक्षरता दर (67.68 प्रतिशत) से अधिक तथा भारत की औसत साक्षरता दर (74.04 प्रतिशत) से कम है तथा औसत लिंगानुपात 1019 महिलाएं/हजार

पुरूष है जो कि उत्तर प्रदेश के लिंगानुपात 912 तथा भारत के लिंगानुपात 983 से काफी अधिक है (भारतीय जनगणना 2011)।

शोध विधितंत्र – प्रस्तुत शोधपत्र प्राथमिक व द्वितीयक आंकडों पर आधारित है। यह द्वितीयक आंकड़े भारत की जनगणना, 2011, जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के माध्यम से एकत्रित किये गये हैं। इसके अतिरिक्त आजमगढ़ जनपद के 12 न्यादर्श ग्रामों के 450 परिवारों से व्यक्तिगत साक्षात्कार द्वारा प्रश्नावलियों को पूरित करके प्राथमिक स्तर के आँकड़ों का संकलन किया गया है। कृषिगत तत्वों, प्रक्रियाओं से संबंधित आंकड़ों, सूचनाओं के एकत्रीकरण, एवं विश्लेषण में सामान्य सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है इसके अतिरिक्त प्रत्यक्ष अवलोकन द्वारा प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर वर्तमान परिस्थितियों को समझने का प्रयास किया गया है।

उद्देश्य – प्रस्तुत शोधपत्र का उद्देश्य आजमगढ़ जनपद के न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों के आर्थिक विकास पर व्यावसायिक कृषि के प्रभावों का अध्ययन करना।

परिणाम एवं परिचर्चा – आजमगढ़ जनपद के न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में व्यावसायिक कृषि उद्यमों के अन्तर्गत फसल उत्पादन, सब्जी उत्पादन, दुग्ध उत्पादन, मुर्गी पालन व मत्स्य पालन जैसे लाभप्रद व्यवसाय सम्मिलित हैं जिससे कृषक परिवारों को रोजगार की प्राप्ति, आय की प्राप्ति तथा आय की निरंतरता बनी रहती है जो निम्नवत् है –

रोजगार सृजन – ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सामाजिक–आर्थिक विकास का मर्म है। न्यादर्श ग्रामों के अध्ययन से स्पष्ट हुआ है कि व्यावसायिक कृषि से ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर लघु एवं सीमांत कृषकों तथा भूमिहीनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। कृष्येत्तर कार्य जैसे, दुग्ध उत्पादन, मुर्गी पालन व मत्स्य पालन के अतिरिक्त सब्जी उत्पादन जैसे कार्य मुख्यतः लघु एवं सीमांत कृषकों द्वारा ही किए जा रहे हैं। यह पर्याप्त श्रम गहन एवं लाभप्रद कार्य है, इससे यह कृषक परिवार वर्षभर इन कार्यों में व्यस्त रहते हैं। भूमिहीन कृषक परिवार भी बटाई पर खेत लेकर सब्जी उत्पादन करते हुए रोजगार के साथ ही अधिक आय प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार दूध, विविध प्रकार की सब्जियों, फल, मुर्गी पालन (मांस व अण्डे), मत्स्य पालन एवं अन्य कृषि उत्पादों के परिवहन, विपणन एवं प्रसंस्करण में भी कई लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है तथा चयनित परिवारों के सदस्यों को कृषि व कृष्येत्तर कार्यों घर में ही रोजगार की प्राप्ति होती है। ¬

न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में दुग्ध पशुपालन – सभी न्यादर्श ग्रामों में अधिकांश कृषक परिवारों द्वारा शस्योत्पादन–सह दुग्धपालन घरेलू स्तर पर किया जाता है। जहां न्यादर्श ग्रामों में कम्पनी की गाड़ी आती है जो दूध में फैट के हिसाब से उनका मूल्य निर्धारित करती है जो 30 से 40 रु. के बीच होता है और वह सारा दूध एकत्रित करके ले जाते हैं। दुग्धपालन में घर के सभी सदस्य समय–समय पर अपना योगदान देते हैं। जिससे अतिरिक्त श्रम की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

न्यादर्श ग्रामों के चयनित गोपालपुर (49) में सर्वाधिक 98 प्रतिशत परिवारों के द्वारा पशुपालन का कार्य किया जाता हैं। इसके बाद क्रमशः ग्राम दौलताबाद (58) में 96 प्रतिशत, खुरासो (38) में 95 प्रतिशत, देवारा इस्माइलपुर (38) में 95 प्रतिशत, बुदैठा (19) में 95 प्रतिशत, मोहिउद्दीनपुर (19) में 95 प्रतिशत, जैराजपुर (75) में 93.7 प्रतिशत, मानपुर (28) में 93.3

प्रतिशत, हरैया (27) में 90 प्रतिशत, मनिहा (9) में 90 प्रतिशत, वाजिदपुर (41) में 82 प्रतिशत व बहादुरपुर (15) में 75.5 प्रतिशत परिवारों द्वारा पशुपालन का कार्य किया जाता है। वहीं कुछ चयनित परिवारों द्वारा अन्य पशुओं में बकरी पालन का कार्य किया जाता है जैसे वाजिदपुर (2) के 4 प्रतिशत, दौलताबाद (2) के 3.3 प्रतिशत, हरैया (1) के 3.3 प्रतिशत व गोपालपुर (1) के 2 प्रतिशत परिवारों द्वारा बकरी पालन का कार्य किया जाता है।

तालिका १.१ — न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में दुग्ध पशुपालन

ग्राम	कुल चयनित परिवार	मवेशी पालन करने वाले परिवार				दुग्ध उत्पादन विक्रय हेतु करने वाले परिवार	
		गाय/भैस		अन्य			
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
वाजिदपुर	50	41	82.0	2	4.0	4	08.0
खुरासो	40	38	95.0	0	0.0	11	27.5
गोपालपुर	50	49	98.0	1	2.0	31	62.0
देवारा इस्माइलपुर	40	38	95.0	0	0.0	16	40.0
जैराजपुर	80	75	93.7	0	0.0	12	15.0
हरैया	30	27	90.0	1	3.3	14	46.6
मोहिउद्दीनपुर	20	19	95.0	0	0.0	4	20.0
बुदैठा	20	19	95.0	0	0.0	15	75.0
दौलताबाद	60	58	96.0	2	3.3	12	20.0
मानपुर	30	28	93.3	0	0.0	13	43.3
बहादुरपुर	20	15	75.5	0	0.0	4	20.0
मनिहा	10	9	90.0	0	0.0	5	50.0
कुल/ औसत	450	422	92.5	6	1.05	141	35.6

स्रोत — प्राथमिक सर्वेक्षण (2022)

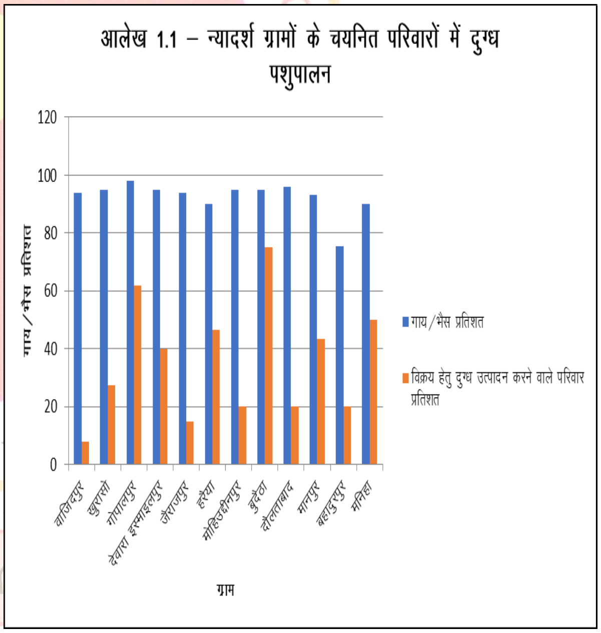
आलेख 1.1 – न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में दुग्ध पशुपालन

स्रोत — तालिका 1.1 के अनुसार

न्यादर्श ग्रामों में पशुपालन करने वाले कुछ चयनित परिवारों द्वारा दुग्ध विक्रय करके भी आय प्राप्त किया जाता है। चयनित परिवारों में औसतन 44.6 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध विक्रय का कार्य किया जाता है जिसमें सर्वाधिक

ग्राम बुदैठा (15) के 75 प्रतिशत परिवार सम्मिलित हैं। इसके बाद क्रमशः ग्राम गोपालपुर (31) के 62 प्रतिशत, मनिहा (5) के 50 प्रतिशत, हरैया (14) के 46.6 प्रतिशत, मानपुर (13) के 43.3 प्रतिशत, देवारा इस्माइलपुर (16) के 40 प्रतिशत, खुरासो (11) के 27.5 प्रतिशत, मोहिउद्दीनपुर (4) के 20 प्रतिशत, दौलताबाद (12) के 20 प्रतिशत, बहादुरपुर (4) के 20 प्रतिशत, जैराजपुर (12) के 15 प्रतिशत व वाजिदपुर (4) के 8 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध विक्रय का कार्य किया जाता है (तालिका 1.1)।

चयनित परिवारों में सब्जी उत्पादन, मुर्गीपालन व मत्स्यपालन – जनपद आजमगढ़ के न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में औसतन 44.6 प्रतिशत परिवारों द्वारा छोटे व बड़े स्तर पर सब्जी उत्पादन का कार्य किया जाता है। जिसमें सर्वाधिक सब्जी का उत्पादन करनें वाला ग्राम खुरासो (18) है जहां 95 प्रतिशत परिवारों द्वारा सब्जी का उत्पादन किया जाता है इसके बाद क्रमशः ग्राम हरैया (24) में 80 प्रतिशत, बुदैठा (16) में 80 प्रतिशत, जैराजपुर (39) में 48.7 प्रतिशत, प्रतिशत, वाजिदपुर (11) में 22 प्रतिशत, बुदैठा (4) में 20 प्रतिशत, मानपुर (18) 60 प्रतिशत, दौलताबाद (27) में 45 प्रतिशत, गोपालपुर (19) में 38 प्रतिशत, देवारा इस्माइलपुर (13) में 32.5 प्रतिशत, वाजिदपुर (14) में 28 प्रतिशत, मोहिउद्दीनपुर (10) में 25 प्रतिशत, जैराजपुर (18) में 22.5 प्रतिशत, बहादुरपुर (2) में 10 प्रतिशत व मनिहा (2) में 20 प्रतिशत परिवारों द्वारा सब्जी उत्पादन का कार्य किया जाता है।

जनपद आजमगढ़ के न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में औसतन 22.4 प्रतिशत परिवारों द्वारा छोटे व बड़े स्तर पर मुर्गीपालन का कार्य किया जाता है। जिसमें सर्वाधिक मुर्गीपालन करनें वाला ग्राम मोहिउद्दीनपुर (10) है जहां 50 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन किया जाता है इसके बाद क्रमशः ग्राम जैराजपुर (39) में 48.7 प्रतिशत, खुरासो (18) में 45 प्रतिशत, वाजिदपुर (11) में 22 प्रतिशत, बुदैठा (4) में 20 प्रतिशत, दौलताबाद (11) में 18.3 प्रतिशत, मानपुर (5) 16.6 प्रतिशत, हरैया (5) में 16.6 प्रतिशत, गोपालपुर (6) में 12 प्रतिशत, देवारा इस्माइलपुर (4) में 10 प्रतिशत, बहादुरपुर (2) में 10 प्रतिशत व मनिहा (0) में 0 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गीपालन का कार्य किया जाता है।

तालिका 1.2 के अनुसार न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में औसतन 23.4 प्रतिशत परिवारों द्वारा छोटे व बड़े स्तर पर मत्स्यपालन का कार्य किया जाता है। मत्स्यपालन की दृष्टि से ग्राम जैराजपुर में सर्वाधिक मत्स्यपालन होता है यहां लगभग पूरा गांव मत्स्य पालन का कार्य करता है। चयनित परिवारों में मत्स्य पालन की दृष्टि से यहां के 76 अथवा 95 प्रतिशत परिवार मत्स्य पालन का कार्य करते

Aayushi International Interdisciplinary Research Journal
ISSN 2349-638x

है। इसके बाद क्रमशः ग्राम वाजिदपुर (20) में 40 प्रतिशत, बहादुरपुर में (7) में 35 प्रतिशत, खुरासो (9) में 22.5 प्रतिशत, देवारा इस्माइलपुर (8) में 20 प्रतिशत, दौलताबाद (9) में 15 प्रतिशत, हरैया (4) में 13.3 प्रतिशत, मानपुर (4) में 13.3 प्रतिशत, गोपालपुर (6) में 12 प्रतिशत, मोहिउद्दीनपुर (2) में 10 प्रतिशत, बुदैठा (1) में 5 प्रतिशत व मनिहा (0) में 0 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन का कार्य किया जाता है। वहीं मनिहा ग्राम के चयनित परिवारों में से कोई भी मत्स्यपालन का कार्य नहीं करता है। इसके अतिरिक्त आजमगढ़ जनपद के न्यादर्श ग्रामों के अलावा अन्य ग्रामों में भी कई ऐसे प्रगतिशील किसान है जिन्होंने अपने श्रम अथवा कृषि नवाचार के कारण कृषि में उल्लेखनीय प्रगति की है तथा कई भूमिहीन व सीमांत कृषकों को रोजगार उपलब्ध कराया है जैसे कोयलसा विकासखंड के ग्राम बहेलियापार में मेंथा की खेती करने वाले किसान श्री भोलानाथ

तालिका १.२ – न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में सब्जी उत्पादन, मुर्गीपालन व मत्स्यपालन

ग्राम	कुल चयनित परिवार	सब्जी उत्पादन करने वाले परिवार		मुर्गी पालन करने वाले परिवार		मत्स्यपालन करने वाले परिवार	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
वाजिदपुर	50	14	28.0%	11	22.0	20	40.0
खुरासो	40	38	95.0%	18	45.0	9	22.5
गोपालपुर	50	19	38.0%	6	12.0	6	12.0
देवारा इस्माइलपुर	40	13	32.5%	4	10.0	8	20.0
जैराजपुर	80	18	22.5%	39	48.7	76	95.0
हरैया	30	24	80.0%	5	16.6	4	13.3
मोहिउद्दीनपुर	20	5	25 %	10	50.0	2	10.0
बुदैठा	20	16	80.0%	4	20.0	1	05.0
दौलताबाद	60	27	45.0%	11	18.3	9	15.0
मानपुर	30	18	60 %	5	16.6	4	13.3
बहादुरपुर	20	2	10.0%	2	10.0	7	35.0
मनिहा	10	2	20.0%	0	00.0	0	00.0
कुल /औसत	450	196	44.6	115	22.4	146	23.4

स्रोत – प्राथमिक सर्वेक्षण (2022)

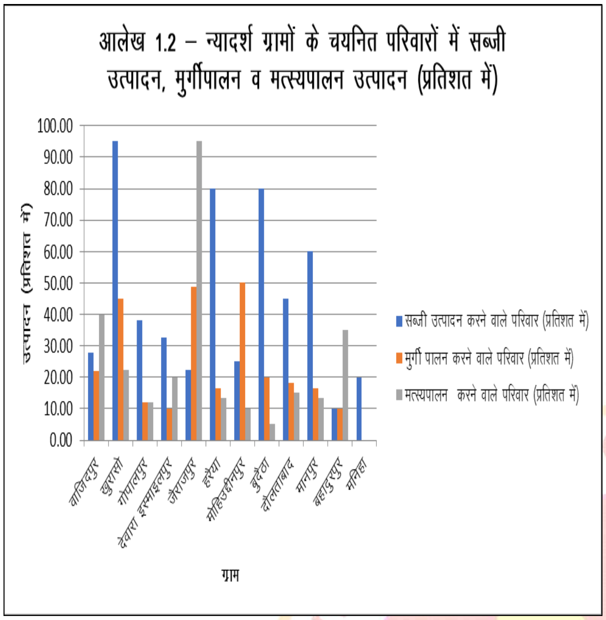

आलेख 1.2 – न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में सब्जी उत्पादन, मुर्गीपालन व मत्स्यपालन उत्पादन (प्रतिशत में)

स्रोत – तालिका 1.2 के अनुसार

वर्मा न सिर्फ परंपरागत खेती से 4 गुना अधिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि इसकी खेती से रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं तथा इनके द्वारा लगाए गए संयंत्र से पिपरमेंट के प्रसंस्करण में भी रोजगार सुलभ हुआ है। बिलरियागंज विकासखंड के ग्राम बनकट निवासी आनंद कुमार राय ने एक एकड़ में पॉली हाउस का निर्माण कराया जिसकी लागत 50 लाख आई। जिसके बाद लाल, हरी, पीली, रंगीन शिमला मिर्च की खेती करना शुरू किया तथा एक एकड़ में 20 लाख का मुनाफा कमाया। आनंद राय का कहना है कि गेहूं, धान की अपेक्षा 5 गुना अधिक का मुनाफा मिल रहा है इसके साथ ही साथ ही 15 लोग इस रोजगार से जुड़े हुये हैं, इससे उनके परिवारों का भी भरण–पोषण हो रहा है। इसी प्रकार सगड़ी तहसील क्षेत्र की सोहराभार ग्राम की ऊषा ने वर्ष 2015 में आर्थिक परेशानी से तंग आकर 15 बकरीयों के पालन से शुरुआत की और आज तीन लाख रुपये 1 वर्ष में कमा रही है तथा चार बीघा भूमि किराए पर लेकर पशुओं के लिए चारा उगाती हैं। उनके यहां से गाजीपुर ,देवरिया, कुशीनगर, बेल्थरा, मऊ आदि जिलों में भी बकरियां लोग पालन के लिए ले जाते हैं। उनसे सलाह लेकर सिर्फ आजमगढ़ में दर्जनों महिलाएं–पुरुष बकरी पालन में करियर की उम्मीद तालश रहे तो वहीं दर्जन भर परिवार सीधा उनसे जुड़कर अपनी गृहस्थी चला पा रहा है।

ग्राम खुरासो में कृषक श्री अरुण कुमार मुर्गी पालन का व्यवसाय कर न सिर्फ अपने लिए आय का अच्छा माध्यम प्राप्त किए हैं अपितु मुर्गियों की देखभाल, साफ–सफाई से लेकर उनको बाजार में बेचने तक कई व्यक्तियों को रोजगार दिए हैं। इस प्रकार न्यादर्श ग्राम खुरासो में 18, जैराजपुर में 39 तथा मोहिउद्दीनपुर में 10 परिवारों द्वारा छोटे तथा बड़े स्तर पर मुर्गी पालन के व्यवसाय में ग्राम के ही लोगों को वर्ष पर्यंत रोजगार प्रदान किया गया है।

आजमगढ़ जनपद के न्यादर्श ग्रामों जैसे – जैराजपुर, वजिद्पुर तथा बहादुरपुर में ग्राम समाज व निजी तालाबों में मत्स्य पालन का कार्य बड़े स्तर पर किया जाता है ग्राम जैराजपुर के मोहम्मद वसीम एक तालाब से मछली पालन प्रारंभ करके आज 10 से ज्यादा बड़े तालाब में मछली बीज (जीरा, अंगुलिका) तैयार कर न सिर्फ लाखों रुपए की शुद्ध आय प्राप्त कर रहे है अपितु अपने ग्राम के आसपास के ग्रामों में स्थित तालाबों में मत्स्य पालन से कई लोगों को वर्ष पर्यंत रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये हैं। इसी प्रकार आजमगढ़ जनपद के अजमतगढ़ विकासखंड में स्थित सलोना 24 किलोमीटर का तालाब है यहाँ आसपास के दर्जनों ग्रामो में लोगों द्वारा मछली पालन के कारण न सिर्फ परिवार के सदस्य कार्य में व्यस्त रहते हैं अपितु मछलियां पकड़ने

व उनके परिवहन एवं विपणन में भी ग्राम के कुछ लोगों को रोजगार के अवसर प्रतिवर्ष सुलभ होते रहते हैं।

न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में कुल फसलोत्पादन से प्राप्त आय – ग्रामीणों के जीवन स्तर की गुणवत्ता में वृद्धि का आय से सीधा संबंध है क्योंकि आय प्राप्ति से ही कृषि में आवश्यक आदानों के अधिकाधिक प्रयोग फलस्वरुप अधिक उत्पादन और पुनः अधिक आय का चक्र स्थापित हो जाता है फलतः ग्रामीणों के जीवन स्तर में निरंतर उन्नयन होता रहता है। आय प्राप्ति से ग्रामीणों की क्रय शक्ति बढ़ने के फलस्वरुप पर्याप्त और संतुलित भोजन, अच्छे वस्त्र, आवास, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, मनोरंजन की आवश्यकताएं पूरी होती रहती है। न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों के अध्ययन से स्पष्ट है कि जो कृषक विविध प्रकार की सब्जियों, फलों व औषधीय पौधों की कृषि में संलग्न हैं उन्हें परंपरागत फसलोत्पादन की तुलना में कई गुना अधिक आय प्राप्त हो रही है जिससे उनकी आय में ऋत्विकता समाप्त होकर निरन्तरता भी बनी रहती है। व्यावसायिक कृषि को अपनाने वाले कृषकों की आय में वृद्धि परंपरागत कृषि अपनाने वाले कृषकों की अपेक्षा अधिक होती है।

आजमगढ़ जनपद के न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों द्वारा कुल फसलोत्पादन व उससे प्राप्त आय को तालिका 1.3 व 1.4 में प्रदर्शित किया गया है। यह फसल उत्पादन चयनित परिवारों द्वारा बताए गए तथ्यों के आधार पर लिया गया है तथा आय की गणना वर्ष 2021–22 में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य के आधार पर निकाला गया है। सब्जी द्वारा प्राप्त आय की गणना परिवारों द्वारा बताए गए तथ्यों के आधार पर उनके जीवन की गुणवत्ता के अनुसार किया गया है जो सत्यता के अधिक निकट है।

वाजिदपुर – ग्राम वाजिदपुर में कुल फसल उत्पादन 11470 कुंतल है ग्राम वाजिदपुर में अन्य ग्रामों की अपेक्षा कृषि भूमि सबसे अधिक है तथा बड़े जोताकार हैं अतः यहां कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय सर्वाधिक 9155500 रू0 है।

खुरासो – ग्राम खुरासों में कुल फसल उत्पादन 2490 कुंतल तथा कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय 5527000 रू0 है। ग्राम खुरासों के आय में सर्वाधिक योगदान सब्जी (मिर्च) का है।

तालिका १.३ – न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में कुल फसलोत्पादन (कुंतल में)

ग्राम	धान	गेहूँ	गन्ना	दलहन	तिलहन	अन्य	कुल
वाजिदपुर	500	800	9000	100	50	20	11470
खुरासो	100	300	1000	30	50	10	2490
गोपालपुर	150	300	4000	60	20	10	5140
देवारा इस्माइलपुर	150	300	2500	40	20	10	3520
जैराजपुर	160	200	500	30	10	0	1100
हरैया	100	200	1000	20	5	0	2225
मोहिउद्दीनपुर	100	150	300	10	10	0	670
बुदैठा	50	70	400	10	0	0	910

दौलताबाद	250	350	4000	50	20	30	5100
मानपुर	80	150	1500	20	10	0	2260
बहादुरपुर	150	200	2000	20	10	20	2600
मनिहा	80	100	2000	20	10	0	2410
कुल	1850	3120	41300	410	215	100	52895

स्रोत – प्राथमिक सर्वेक्षण (2022)

तालिका १.४– न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में कुल फसलोत्पादन से अर्जित आय (रु०)

ग्राम	धान	गेहूँ	सब्जी	गन्ना	दलहन	तिलहन	अन्य	कुल
वाजिदपुर	970000	1612000	3150000	2565000	560000	252500	46000	9155500
खुरासो	194000	604500	4000000	285000	168000	252500	23000	5527000
गोपालपुर	291000	604500	1200000	1140000	336000	101000	23000	3695500
देवारा इस्माइलपुर	291000	604500	1700000	712500	224000	101000	23000	3656000
जैराजपुर	310400	403000	600000	142500	168000	50500	0	1674400
हरैया	194000	403000	2650000	285000	112000	25250	0	3669250
मोहिउद्दीनपुर	194000	302250	480000	85500	56000	50500	0	1168250
बुदैठा	970000	141050	850000	114000	56000	0	0	1258050
दौलताबाद	485000	705250	2340000	1140000	280000	101000	69000	5120250
मानपुर	155200	302250	2260000	427500	112000	50500	0	3307450
बहादुरपुर	291000	403000	1340000	570000	112000	50500	46000	2812500
मनिहा	155200	201500	860000	570000	112000	50500	0	1949200
कुल	3589000	6286800	21430000	11770500	2296000	1085750	230000	46688050

स्रोत – प्राथमिक सर्वेक्षण (2022)

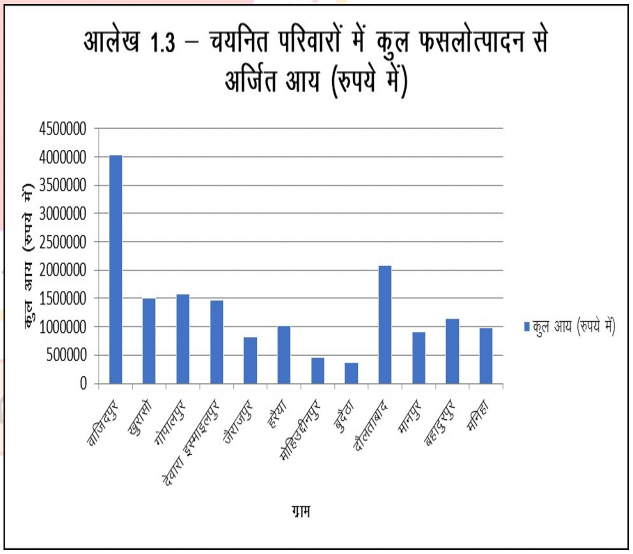
आलेख 1.3 – चयनित परिवारों में कुल फसलोत्पादन से अर्जित आय (रुपये में)

स्रोत – तालिका 1.4 के अनुसार

गोपालपुर – ग्राम गोपालपुर में कुल फसल उत्पादन 5140 कुंतल है तथा उनसे प्राप्त कुल आय 3695500 रू0 है।

देवारा इस्माइलपुर – ग्राम देवारा इस्माइलपुर में कुल फसल उत्पादन 3520 कुंतल है तथा कुल

फसल उत्पादन से प्राप्त आय 3656000 रू0 है।।

जैराजपुर – ग्राम जैराजपुर में कुल फसल उत्पादन 1100 कुंतल है तथा कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय 1674400 रू0 है।

हरैया – ग्राम हरैया में कुल फसल उत्पादन 2225 कुंतल है तथा कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय 3669250 रू0 है जिसमें सर्वाधिक योगदान सब्जी का है।

मोहिउद्दीनपुर – ग्राम मोहिउद्दीनपुर में कुल फसल उत्पादन 670 कुंतल है तथा कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय 1168250 रू0 है।

बुदैठा – ग्राम बुदैठा में कुल फसल उत्पादन 910 कुंतल है तथा कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय 1258050 रू0 है जिसमें सर्वाधिक योगदान सब्जी का है।

दौलताबाद – ग्राम दौलताबाद में कुल फसल उत्पादन 5100 कुंतल है तथा कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय 5120250 रू0 है।

मानपुर – ग्राम मानपुर में कुल फसल उत्पादन 2260 कुंतल है तथा कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय 3307450 रू0 है जिसमें सर्वाधिक योगदान सब्जी का है।

बहादुरपुर – ग्राम बहादुरपुर में कुल फसल उत्पादन 2600 कुंतल है तथा कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय 281250 रू0 है।

मनिहा – ग्राम मनिहा में कुल फसल उत्पादन 2410 कुंतल है तथा कुल फसल उत्पादन से प्राप्त आय 1949200 रू0 है।

कुल उत्पादन – न्यादर्श परिवारों में कुल फसल उत्पादन 52895 कुंतल है जिससे प्राप्त कुल आय 46688050 रू0 है जिसमें सर्वाधिक योगदान सब्जी (21430000 रू0) का है।

न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में कृष्येत्तर कार्यों से प्राप्त आय – न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों द्वारा फसल उत्पादन के अतिरिक्त कुछ अन्य कृष्येत्तर क्रियाएं जैसे मुर्गी पालन, मत्स्य पालन व दुग्ध उत्पादन (विक्रय हेतु) किया जाता है। जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। चयनित परिवारों द्वारा प्राप्त आय की गणना उनके द्वारा पाली गयी मुर्गे, मुर्गियों, चूजों एवं मत्स्य बीजों की संख्या तथा मण्डी में निर्धारित उनके मूल्य के आधार पर किया गया है। दुग्ध उत्पादन (विक्रय हेतु) से प्राप्त आय की गणना प्रतिदिन विक्रय किये गये दुग्ध (लीटर में) तथा उस दिन निर्धारित उनके मूल्य के आधार पर किया गया है जिसे तालिका 1.5 में दर्शाया गया है।

वाजिदपुर – ग्राम वाजिदपुर में कुल चयनित परिवारों (50) में से 22 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 40 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा मात्र 8 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम वाजिदपुर में कुल कृष्येत्तर कार्यों से रू0 9750000 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 3900000 रू0, मत्स्य पालन से 6000000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 750000 रू0 की प्राप्ति होती है।

खुरासो – ग्राम खुरासो में कुल चयनित परिवारों (40) में से 45 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 22.5 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 27.5 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम खुरासो में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 9800000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 5400000 रू0, मत्स्य पालन से 1500000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 2900000 रू0 की प्राप्ति होती है।

गोपालपुर – ग्राम गोपालपुर में कुल चयनित परिवारों (50) में से 12 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 12 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 62

प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम गोपालपुर में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 10600000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 1800000 रू0, मत्स्य पालन से 1600000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 7200000 रू0 की प्राप्ति होती है।

देवारा इस्माइलपुर – ग्राम देवारा इस्माइलपुर में कुल चयनित परिवारों (40) में से 10 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 20 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 40 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम देवारा इस्माइलपुर में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 5800000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 900000 रू0, मत्स्य पालन से 1600000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय है 3300000 रू0 की प्राप्ति होती है।

जैराजपुर – ग्राम जैराजपुर में कुल चयनित परिवारों (80) में से 48.7 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 95 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 15 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम जैराजपुर में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 17850000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 6000000 रू0, मत्स्य पालन से 9800000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 2050000 रू0 की प्राप्ति होती है।

हरैया – ग्राम हरैया में कुल चयनित परिवारों (30) में से 16.6 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 13.3 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 46.6 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम हरैया में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 5700000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 900000 रू0, मत्स्य पालन से 1200000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 3600000 रू0 की प्राप्ति होती है।

मोहिउद्दीनपुर – ग्राम मोहिउद्दीनपुर में कुल चयनित परिवारों (20) में से 50 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 10 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 20 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम मोहिउद्दीनपुर में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 3550000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 2000000 रू0,

तालिका १.५ – न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में कृष्येत्तर कार्यों से अर्जित आय (रुपये में)

ग्राम	कुल चयनित परिवार	मुर्गी पालन		मत्स्य पालन		दुग्ध उत्पादन		कुल प्राप्त आय (1 वर्ष)
		परिवार (%)	प्राप्त आय (1 वर्ष)	परिवार (%)	प्राप्त आय (1 वर्ष)	परिवार (%)	प्राप्त आय (1 वर्ष)	
वाजिदपुर	50	22.0	3900000	40.0	6000000	8.0	750000	9750000
खुरासो	40	45.0	5400000	22.5	1500000	27.5	2900000	9800000
गोपालपुर	50	12.0	1800000	12.0	1600000	62.0	7200000	10600000
देवारा इस्माइलपुर	40	10	900000	20.0	1600000	40.0	3300000	5800000
जैराजपुर	80	48.7	6000000	95.0	9800000	15.0	2050000	17850000
हरैया	30	16.6	900000	13.3	1200000	46.6	3600000	5700000
मोहिउद्दीनपुर	20	50.0	2000000	10.0	600000	20.0	950000	3550000
बुदैठा	20	20	600000	5.0	400000	75.0	4220000	5220000
दौलताबाद	60	18.3	4500000	15.0	2800000	20.0	2720000	10020000
मानपुर	30	16.6	1200000	13.3	2100000	43.3	2840000	6140000
बहादुरपुर	20	10.0	600000	35.0	2100000	20.0	836000	3536000
मनिहा	10	0.0	0	00.0	0	50.0	830000	830000
कुल/औसत	450	22.4	27800000	23.4	29700000	35.6	32496000	89996000

स्रोत – प्राथमिक सर्वेक्षण (अक्टूबर 2022)

Aayushi International Interdisciplinary Research Journal ISSN 2349-638X www.aiirjournal.com

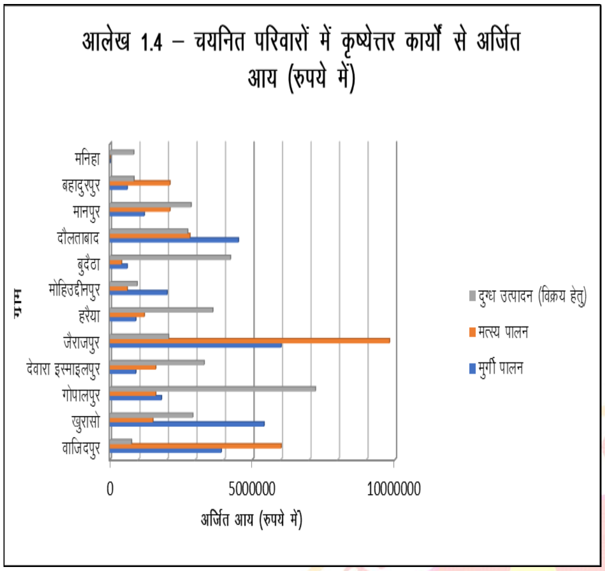

आलेख 1.4 – चयनित परिवारों में कृष्येत्तर कार्यों से अर्जित आय (रुपये में)

स्रोत – तालिका 1.5 के अनुसार

मत्स्य पालन से 600000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 950000 रू0 की प्राप्ति होती है।

बुदैठा – ग्राम बुदैठा में कुल चयनित परिवारों (20) में से 20 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 5 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 75 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम बुदैठा में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 5220000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 600000 रू0, मत्स्य पालन से 400000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 4220000 रू0 की प्राप्ति होती है।

दौलताबाद – ग्राम दौलताबाद में कुल चयनित परिवारों (60) में से 18.3 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 15 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 20 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम दौलताबाद में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 10020000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 4500000 रू0, मत्स्य पालन से 2800000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 2720000 रू0 की प्राप्ति होती है।

मानपुर – ग्राम मानपुर में कुल चयनित परिवारों (30) में से 16.6 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 13.3 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 43.3 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम मानपुर में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 6140000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 1200000 रू0, मत्स्य पालन से 2100000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 2840000 रू0 की प्राप्ति होती है।

बहादुरपुर – ग्राम बहादुरपुर में कुल चयनित परिवारों (20) में से 10 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 35 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 20 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम बहादुरपुर में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 3536000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 600000 रू0, मत्स्य पालन से 2100000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 836000 रू0 की प्राप्ति होती है।

मनिहा – ग्राम मनिहा में कुल चयनित परिवारों (10) में से 0 प्रतिशत परिवारों द्वारा मुर्गी पालन का कार्य किया जाता है। 0 प्रतिशत परिवारों द्वारा मत्स्य पालन तथा 50 प्रतिशत परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन का कार्य किया जाता है। ग्राम मनिहा में कुल कृष्येत्तर कार्यों से 1030000 रू0 की प्राप्ति होती है जिसमें से मुर्गी पालन से 0 रू0, मत्स्य पालन से 0 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 1030000 रू0 की प्राप्ति होती है।

कुल आय – न्यादर्श ग्रामों के कुल चयनित परिवारों द्वारा कृष्येत्तर कार्यों से अर्जित कुल आय 91996000 रू0 है जिसमें से मुर्गी पालन से 27800000 रू0, मत्स्य पालन से 29700000 रू0 तथा दुग्ध विक्रय से 34496000 रू0 की प्राप्ति हुई है। इस प्रकार चयनित परिवारों में

ISSN 2349-638x

प्रति परिवार कृषि व कृष्येत्तर कार्यों से प्राप्त कुल आय 303742 रू0 रूपये वार्षिक है।

आय की निरंतरता – आजमगढ़ जनपद के न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में अधिकांश कृषक न सिर्फ अधिक आय प्राप्त करते हैं अपितु उन्हें वर्ष पर्यंत कुछ न कुछ आय प्राप्त होती रहती है, जिसे तालिका 1.6 में दर्शाया गया है।

कुल चयनित परिवारों में से 78.8 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर कुछ न कुछ आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 21.6 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम वाजिदपुर में कुल चयनित परिवारों में 75 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर कुछ न कुछ आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 25 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम खुरासो में कुल चयनित परिवारों में 77.5 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 22.5 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम गोपालपुर में कुल चयनित परिवारों में 80 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 20 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम देवारा इस्माइलपुर में कुल चयनित परिवारों में 70 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 30 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम जैराजपुर में कुल चयनित परिवारों में 88.8 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 11.2 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम हरैया में कुल चयनित परिवारों में 80 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 20 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम मोहिउद्दीनपुर में कुल चयनित परिवारों में 75 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 25 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम बुदैठा में कुल चयनित परिवारों में 90 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 10 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम दौलताबाद में कुल चयनित परिवारों में 65 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 35 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम मानपुर में कुल चयनित परिवारों में 83.3 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 16.7 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम बहादुरपुर में कुल चयनित परिवारों में 60 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 30 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है। ग्राम मनिहा में कुल चयनित परिवारों में 50 प्रतिशत परिवारों ने वर्ष भर आय प्राप्त होने की बात स्वीकार की है तथा 50 प्रतिशत परिवारों ने अस्वीकार की है।

तालिका १.६ – न्यादर्श ग्रामों के चयनित परिवारों में आय की निरंतरता

विकासखंड	कुल चयनित परिवार	कृषि व कृष्येत्तर कार्यों द्वारा वर्ष भर आय की प्राप्ति			
		हां		नहीं	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
वाजिदपुर	50	37	75	13	25
खुरासो	40	31	77.5	9	22.5
गोपालपुर	50	41	82	9	18
देवारा इस्माइलपुर	40	28	70	12	30
जैराजपुर	80	71	88.8	9	11.2
हरैया	30	24	80	6	20
मोहिउद्दीनपुर	20	15	75	5	25

Aayushi International Interdisciplinary Research Journal ISSN 2349-638x www.aiirjournal.com

बुदैठा	20	18	90	2	10
दौलताबाद	60	39	65	21	35
मानपुर	30	25	83.3	5	16.7
बहादुरपुर	20	12	60	8	30
मनिहा	10	5	50	5	50
कुल/औसत	450	353	78.4	97	21.6

स्रोत – प्राथमिक सर्वेक्षण (2022)

न्यादर्श ग्राम खुरासो, मानपुर, बुदैठा, हरैया जैसे सब्जी प्रधान उत्पादक ग्रामों तथा गोपालपुर, बुदैठा, हरैया, मानपुर व मनिहा जैसे प्रधान दुग्ध उत्पादक ग्रामों, ग्राम खुरासो, जैराजपुर, मोहिउद्दीनपुर जैसे मुर्गी व मत्स्य पालन वाले ग्रामों में कृषकों को न सिर्फ अधिक आय प्राप्त होती है, अपितु वर्ष पर्यंत कुछ न कुछ आय प्राप्त होती रहती है। वर्ष भर कोई न कोई सब्जी तैयार होती रहती है तथा दूध का उत्पादन भी नित्यप्रति होता है इसलिए कृषकों को प्रतिदिन या एक–दो दिन के अंतराल पर नकद आय प्राप्त होती रहती है। इसके अतिरिक्त मछली पालन, मुर्गी पालन से भी 2 महीने में अच्छी आमदनी प्राप्त हो जाती है। इससे घरेलूखर्च, बच्चों की फीस, कपड़ा, दवाएं आदि जैसी आवश्यकताएं पूरी होती रहती हैं तथा इसके लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है, साथ ही फसलों में उर्वरक, दवाएं, सिंचाई (डीजल) का भी खर्च निकलता रहता है। कृषक अथवा संबंधित मजदूरों को कभी भी खाद्य संकट का सामना नहीं करना पड़ता। इस प्रकार व्यावसायिक कृषि से वर्ष पर्यन्त कृषकों की आय में निरंतरता बनी रहती है। विविध फसलों के साथ अनुषंगी क्रियाओं को समन्वित करने से आय में निरंतरता और सुदृढ़ता बनी रहती है। प्रतिकूल मौसम में भी किसी न किसी कृषि कार्य से आय की प्राप्ति होती रहती है।

निष्कर्ष –

व्यावसायिक कृषि के विविध घटकों को अलग–अलग अथवा समन्वित रूप में अपनाने से परंपरागत कृषि की तुलना में कई गुना अधिक आय प्राप्त हो रही है जिससे कृषकों की क्रय क्षमता में वृद्धि हुई है फलतः वे अधिक विनियोग कर पुनः अधिक आय प्राप्त कर अपने जीवन स्तर को उन्नत करने में समर्थ हो रहे हैं। आय वृद्धि का सीधा संबंध ग्रामीणों के जीवन स्तर के उन्नयन अथवा जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि से है। आर्थिक विकास में व्यावसायिक कृषि की भूमिका संबंधी उपर्युक्त अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि आर्थिक विकास हेतु व्यावसायिक कृषि एक ऐसा उत्तम विकल्प है जिसके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर सीमांत कृषकों को रोजगार के लाभदायक अवसर उपलब्ध होते हैं परिणामस्वरूप उन्हें लाभ के साथ ही आय की निरंतरता भी बनी रहती है। इससे वह पुनः अधिक विनियोग द्वारा अधिक आय प्राप्त कर अधिक क्रय करने में समर्थ होते हैं फलतः उनके जीवन की गुणवत्ता में अभिवृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है जो सामाजिक–आर्थिक विकास का मूल उद्देश्य है।

संदर्भ सूची

1. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (2019–2020), आजमगढ़, उत्तर प्रदेश.
2. भारत की जनगणना (2011), महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली.
3. अज्ञात, जिला जनगणना हस्तपुस्तिका, आजमगढ़ (2011), उत्तर प्रदेश. पृष्ठ 8–10.